

(ii) BETTER LOADING AND UNLOADING FACILITIES IN PASSENGER TRAINS AT JAUNPUR STATION, U.P.

डा० ए. यू. आज़मी (जौनपुर) :
उपाध्यक्ष महोदय, आप की इजाजत से आज मैं अपने क्षेत्र जौनपुर, उत्तर प्रदेश में रेलवे लोडिंग और अनलोडिंग के एक अहम मसले को रूल 377 के तहत उठाते हुए रेलवे मिनिस्टर का ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

सभी इस बात को जानते हैं कि जौनपुर और पैदावार के अलावा सब्जियों, हरी मटर, आलू और मछली का पैदावार का गढ़ है। और इन तमाम पैदावार का बड़ा हिस्सा जौनपुर से बाहर सप्लाई किया जाता है। अगर इस सप्लाई में कोई रुकावट हो जाती है तो सब्जियाँ वगैरह खराब हो जाती हैं और किसानों को नुकसान के साथ साथ कौमी और मुल्की नुकसान भी होता है।

जौनपुर स्टेशन से दो ट्रेनें स्यालदह एक्सप्रेस अप और डाउन रात में और देहरादून एक्सप्रेस दिन में गुजरती हैं।

स्यालदह एक्सप्रेस में 20 क्विंटल लोडिंग जौनपुर से मंजूर है। मैंने भी यह आर्डर देखा है। लेकिन रेलवे गार्ड हमेशा यही कह कर गुजर जाता है कि जगह नहीं है। किसानों की शिकायत पर मैं खुद एक रात उनके साथ रेलवे स्टेशन गया। ट्रेन आने पर मेरे सामने रेलवे गार्ड ने किसानों से कहा कि जगह नहीं है। मैंने गार्ड से अपना तारुफ कराने के बाद पूछा कि जब जौनपुर के लिए 20 क्विंटल लोडिंग का सरकारी हुकम है तो आप क्यों नहीं इन का कच्चा सामान लोड करते हैं। तो मुझसे भी कहा कि जगह नहीं है। मैंने डिब्बा

खुलवाया तो उस में जगह थी और बारह झांपा धनिय. की हरी पत्ती बड़ी आसानी से रख ली गई। इस तरह से कर्मचारियों की धांधली से अक्सर किसानों ने बड़े नुकसान उठाए हैं और अपनी गाढ़े पसीने की कमाई का कोई फायदा नहीं उठा सके।

देहरादून एक्सप्रेस जो दिन में मुजस्ती है वह एक तो यह कि स्टेशन पर बहुत कम वक्त रुकती है, दूसरे यह कि इस में लोडिंग मंजूर नहीं है। इस से भी किसानों और व्यापारियों को सख्त मुसीबत और नुकसान का सामना करना पड़ता है। मैं रेलवे मिनिस्टर से किसानों की इस परेशानी की वुनिथाद पर मांग करता हूँ कि --

9 अप और 10 डाउन में कम से कम 20 क्विंटल लोडिंग की मंजूरी दे कर स्टेशन पर देहरादून और स्यालदह एक्सप्रेस के रुकने का वक्त कम से कम तीन मिनट और बढ़ा दिया जाय और कर्मचारियों को हिदायत की जाय कि किसानों व व्यापारियों के साथ हमदर्दी का रवैया रखें, मदद करें और जितनी लोडिंग का हुकम है कम से कम उतनी लोडिंग आसान से करें।

[ڈاکٹر اے - یو - اعظمی (جونیور)]

آبادھیکس مہودے - آپ کی اجازت سے آج میں اپنے چھوٹے جونیور انٹر پردیس میں رہاؤے لوڈنگ اور ان لوڈنگ کے ایک اہم مسئلہ کو رول 377 کے تحت اٹھاتے ہوئے رہاؤے مسسٹر کا دھیان دلانا چاہتا ہوں۔

سبھی اس بات کو جانتے ہیں کہ جونیور اور پھداوار کے بارے میں سبزیوں ہری مٹر آلو اور مچھلیوں

کی پیداوار کا گروہ ہے - اور ان تمام پیداوار کا بڑا حصہ جونپور سے باہر سپلائی کیا جاتا ہے - اگر اس سپلائی میں کوئی رکاوٹ ہو جاتی ہے - تو سبزیوں وغیرہ خراب ہو جاتی ہیں اور کسانوں کو نقصان کے ساتھ ساتھ قومی اور ملکی نقصان بھی ہوتا ہے -

میں نے قبہ کھلوا یا تو اس میں جگہ تھی اور بارہ چھانپا دھلیا کی ہری پتی بڑی آسانی سے رکھدی گئی - اس طرح سے کومپاریوں کی دھاندلی سے اکثر کسانوں نے بڑے نقصان اٹھائے ہیں اور اپنی گڑھے پھیلنے کی کمائی کا کوئی فائدہ نہیں اٹھا سکے -

جونپور اسٹیشن سے دو ٹریلیں سہالدا ایکسپریس اپ اور قانون رات میں اور دھڑا دون ایکسپریس دن میں گزرتی ہیں -

دھڑا دون ایکسپریس جو دن میں گزرتی ہے وہ ایک تو یہ کہ اسٹیشن پر بہت کم وقت رکتی ہے دوسرے یہ کہ اس میں لوٹنگ منظور نہیں ہے - اس سے بھی کسانوں اور بھوپاریوں کو سخت مصیبت اور نقصان کا سامنا کرنا پڑتا ہے - میں ریلوے ماسٹر سے کسانوں کی اس پریشانی کی بظاہر پر صاف کرتا ہوں - کہ ۹ اپ اور ۱۰ قانون میں کم از کم بیس (۲۰) کوٹنگ لوٹنگ کی منظوری دیکر اسٹیشن پر دھڑا دون اور سہالدا ایکسپریس کے رکھے گا وقت کم از کم تین منٹ اور بڑھا دیا جائے - اور کومپاریوں کو ہدایت کی جائے کہ کسانوں و بھوپاریوں کے ساتھ ہمدردی کا رویہ رکھیں مدد کریں اور جتنی لوٹنگ کا حکم ہے کم از کم اتنی لوٹنگ آسان کریں -

سہالدا ایکسپریس میں بیس (۲۰) کوٹنگ لوٹنگ جونپور سے منظور ہے - میں نے بھی یہ آرڈر دیکھا ہے - لیکن ریلوے گارڈ ہمیشہ یہی کہہ کر گزر جاتا ہے کہ جگہ نہیں ہے - کسانوں کی شکایت پر میں خود ایک رات ان کے ساتھ ریلوے اسٹیشن گیا ٹرین آنے پر میرے سامنے ریلوے گارڈ نے کسانوں سے کہا کہ جگہ نہیں ہے - میں نے گارڈ سے ایذا تعارف کرانے کے بعد پوچھا کہ جب جونپور کے لئے بیس (۲۰) کوٹنگ لوٹنگ کا سرکاری حکم ہے تو آپ کہوں نہیں ان کا کچھ سامان لوٹ کرتے ہیں - تو مجھے سے بھی کہا کہ جگہ نہیں ہے -